>

Title: Need to give compensation to the people whose houses and lands were acquired during Kargil War.

श्री अर्जुन राम मेघवाल (बीकानेर): सभापति जी, आपने मुझे बोलने का मौका दिया, उसके लिए मैं आपका आभारी हूं। मैं आपके माध्यम से रक्षा मंत्रालय का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। कारगिल युद्ध जब हुआ था थो उस समय आर्मी द्वारा किसानों के खेत लिए गए। इसके अलावा उनके घर भी ले लिए गए। यह युद्ध नौ-दस महीने चला। उसके बाद जिन लोगों के खेत लिए गए न तो उन्हें पूरा मुआवजा दिया गया और जिनके घर लिए गए थे, उन्हें भी कोई मुआवजा नहीं दिया गया। अब इस बात को दस वर्ष से अधिक हो गए हैं, हालत यह है कि जिन किसानों के घर लिए गए थे, उनके घरों में बिजली के कनेक्शन थे। आर्मी चली गई, लेकिन उनके बिल उन गांव वालों को, जिनके घर लिए गए थे, भरने पड़ रहे हैं, जबकि युद्ध के दौरान वे उन घरों में नहीं रह रहे थे।

सभापति जी, आप खुद संसद की रक्षा मंत्रालय से सम्बन्धित स्थायी समिति के चेयरमैन हैं। यह बहुत बड़ी बात है और रक्षा मंत्रालय इसकी पूर्ति नहीं कर रहा है। यह कहते है कि हम इसका वैल्यूएशन कर रहे हैं, कभी कहते है कि हम कैलकुलेशन कर रहे हैं। इस तरह से तो भविष्य में कोई अपना खेत, जमीन या घर नहीं देगा। सेना के प्रति जो विश्वास है, वह विश्वास ग्रामीणजनों में कम होगा। मैं आपके माध्यम से रक्षा मंत्रालय का ध्यान आकर्षित करते हुए कहना चाहता हूं कि वह इस पर ध्यान दे और सरकार तुंत इस पर कार्यवाही करे और ग्रामीण जनों को पूरा मुआवजा मिले।

सभापति महोदयः

श्री राजेन्द्र अग्रवाल,

श्री गणेश सिंह और

डा. राजन सुशान्त श्री अर्जुन राम मेघवाल द्वारा उठाए गए विषय से अपने आप को सम्बद्ध करते हैं।